आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस)
वार्षिक रिपोर्ट [जुलाई 2023-जून 2024]
पर
प्रेस नोट

राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय
भारत सरकार

भारत सरकार
सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय

आश्विन 01 शक संवत 1946
23 सितंबर 2024

प्रेस नोट

आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) – वार्षिक रिपोर्ट [जुलाई, 2023 – जून, 2024]

मुख्य निष्कर्ष

• 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) में श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) जुलाई 2023 - जून 2024 के दौरान 60.1% थी। पुरुषों और महिलाओं के लिए यह क्रमशः 78.8% और 41.7% थी।

• 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) में समग्र एलएफपीआर जुलाई 2022-जून 2023 के दौरान 57.9% से बढ़कर जुलाई 2023-जून 2024 के दौरान 60.1% हो गई है। सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) में 15 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं के लिए एलएफपीआर जुलाई 2022-जून 2023 के दौरान 37.0% से बढ़कर जुलाई 2023-जून 2024 के दौरान 41.7% हो गई है। समान आयु वर्ग के पुरुषों के लिए सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) में एलएफपीआर उसी समयावधि के दौरान 78.5% से बढ़कर 78.8% हो गई।

• 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) में श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) जुलाई 2023 – जून 2024 के दौरान 58.2% था। पुरुषों और महिलाओं के लिए यह क्रमशः 76.3% और 40.3% था।

• 15 वर्ष और उससे अधिक आयु की महिलाओं में सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) में डब्ल्यूपीआर जुलाई 2022-जून 2023 के दौरान 35.9% से बढ़कर जुलाई 2023-जून 2024 के दौरान 40.3% हो गई है। सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) में समान आयु वर्ग के व्यक्तियों के बीच समग्र डब्ल्यूपीआर जुलाई 2022-जून 2023 के दौरान 56.0% से बढ़कर जुलाई 2023-जून 2024 के दौरान 58.2% हो गई है।

• जुलाई 2023 - जून 2024 के दौरान 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के पुरुष और महिला दोनों के लिए सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) में बेरोजगारी दर (यूआर) 3.2% थी। जबकि पुरुषों के लिए यह जुलाई 2022 - जून 2023 के दौरान 3.3% से मामूली गिरावट के साथ जुलाई 2023 - जून 2024 के दौरान 3.2% हो गई है, वहीं महिलाओं के बीच यह इसी अवधि के दौरान 2.9% से बढ़कर 3.2% हो गई है।

क. परिचय

श्रम बल डेटा के अधिक लगातार समय अंतराल पर उपलब्धता के महत्व को ध्यान में रखते हुए, राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण कार्यालय (एनएसएसओ) ने अप्रैल 2017 में आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) शुरू किया। पीएलएफएस के मुख्यत: दो उद्देश्य हैं -

- 'वर्तमान साप्ताहिक स्थिति' (सीडब्ल्यूएस) में केवल शहरी क्षेत्रों के लिए तीन महीने की लघु अविध अंतराल में प्रमुख रोजगार और बेरोजगारी संकेतकों (अर्थात श्रमिक जनसंख्या अनुपात, श्रम बल भागीदारी दर, बेरोजगारी दर) का अनुमान लगाना।

- ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में 'सामान्य स्थिति' (पीएस+एसएस) और सीडब्ल्यूएस दोनों में रोजगार और बेरोजगारी संकेतकों का वार्षिक अनुमान लगाना।

ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों को कवर करने वाली छह वार्षिक रिपोर्टें जारी की गई हैं, जिनमें सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) और वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) दोनों में रोजगार और बेरोजगारी के सभी महत्वपूर्ण मापदंडों का अनुमान दिया गया है। ये छह वार्षिक रिपोर्टें जुलाई 2017- जून 2018, जुलाई 2018- जून 2019, जुलाई 2019- जून 2020, जुलाई 2020- जून 2021, जुलाई 2021- जून 2022 और जुलाई 2022- जून 2023 के दौरान पीएलएफएस में एकत्र आंकड़ों के आधार पर प्रकाशित की गई हैं।

अब एनएसएसओ द्वारा जुलाई 2023- जून 2024 के दौरान संचालित किए गए आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के आधार पर सातवीं वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित की जा रही है।

ख. जुलाई 2023 - जून 2024 के दौरान पीएलएफएस क्षेत्रकार्य

जुलाई 2023 - जून 2024 की अवधि के लिए आवंटित प्रतिदर्शों के संबंध में सूचना एकत्र करने के लिए 37 पहले दौरा किए गए एफएसयू प्रतिदर्शों (मणिपुर-21, मध्य प्रदेश-4, त्रिपुरा-3, पंजाब-2, ओडिशा-1, छत्तीसगढ़-1, तेलंगाना-2, महाराष्ट्र-1, गुजरात-1, आंध्र प्रदेश-1) को छोड़कर और 80 पुनः दौरा किए गए एफएसयू, जिन्हें हताहत माना गया, को छोड़कर क्षेत्रकार्य पूरा कर लिया गया था ।

ग. पीएलएफएस का प्रतिदर्श डिजाइन

1. शहरी क्षेत्रों में पैनल प्रतिदर्शकरण डिज़ाइन का उपयोग किया गया है। इस घूर्णन पैनल योजना में, शहरी क्षेत्रों में प्रत्येक चयनित घर का चार बार दौरा किया जाता है, शुरुआत में 'प्रथम विज़िट शेड्यूल' के साथ और बाद में 'पुनः विज़िट शेड्यूल' के साथ समय-समय पर तीन बार दौरा किया जाता है। शहरी क्षेत्र में, प्रत्येक स्तर के भीतर एक पैनल के लिए प्रतिदर्श दो स्वतंत्र उप- प्रतिदर्शों के रूप में तैयार किए गए थे। रोटेशन की योजना यह सुनिश्चित करती है कि प्रथम चरण की प्रतिदर्श इकाइयों (एफएसयू)[1] का 75% लगातार दो यात्राओं के बीच मेल खाता है। ग्रामीण प्रतिदर्शों में कोई पुनरीक्षण नहीं हुआ। ग्रामीण क्षेत्रों के लिए, एक स्तर/उप-स्तर के लिए प्रतिदर्श दो स्वतंत्र उप- प्रतिदर्शों के रूप में यादच्छिक रूप से तैयार किए गए थे। ग्रामीण क्षेत्रों के लिए, सर्वेक्षण अवधि की प्रत्येक तिमाही में, वार्षिक आवंटन के 25% एफएसयू को शामिल किया गया था।

[1] गांव और शहरी ब्लॉक क्रमश: ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में प्रथम- चरण की प्रतिदर्शकरण इकाइयों (एफएसयू) के रूप में संचालित सबसे छोटी इकाइयॉं हैं ।

घ. प्रतिदर्श आकार

2. **वार्षिक रिपोर्ट के लिए ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जुलाई** 2023 - **जून** 2024 **के दौरान प्रथम यात्रा के लिए प्रतिदर्श आकार:** जुलाई **2023 -** जून **2024** के दौरान अखिल भारतीय स्तर पर सर्वेक्षण के लिए आवंटित कुल **12,800** एफएसयू (**7,016** गांव और **5,784** यूएफएस ब्लॉक) में से**,** पीएलएफएस अनुसूची (अनुसूची **10.4)** के प्रचार के लिए कुल **12,743** एफएसयू (**6,975** गांव और **5,768** शहरी ब्लॉक) का सर्वेक्षण किया गया। सर्वेक्षण किए गए परिवारों की संख्या 1,01,920 थी (ग्रामीण क्षेत्रों में 55,796 और शहरी क्षेत्रों में 46,124) और सर्वेक्षण किए गए व्यक्तियों की संख्या 4,18,159 थी (ग्रामीण क्षेत्रों में 2,42,546 और शहरी क्षेत्रों में 1,75,613)। सर्वेक्षण किए गए व्यक्तियों में, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों की कुल संख्या 3,19,773 थी (ग्रामीण क्षेत्रों में 1,80,793 और शहरी क्षेत्रों में 1,38,980)।

3. **प्रमुख रोजगार और बेरोजगारी संकेतकों की वैचारिक रूपरेखा:** आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) प्रमुख रोजगार और बेरोजगारी संकेतकों जैसे श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर), श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर), बेरोजगारी दर (यूआर), आदि का अनुमान देता है। इन संकेतकों और 'सामान्य स्थिति' और 'वर्तमान साप्ताहिक स्थिति' को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:

(क) **श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर):** एलएफपीआर को जनसंख्या में श्रम बल (अर्थात काम करने वाले**,** काम की तलाश करने वाले या काम के लिए उपलब्ध) में व्यक्तियों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया जाता है।

(ख) **श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर):** डब्ल्यूपीआर को जनसंख्या में नियोजित व्यक्तियों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया जाता है।

(ग) **बेरोजगारी दर (यूआर):** यूआर को श्रम बल में व्यक्तियों के बीच बेरोजगार व्यक्तियों के प्रतिशत के रूप में परिभाषित किया जाता है।

(घ) **गतिविधि स्थिति- सामान्य स्थिति:** किसी व्यक्ति की गतिविधि स्थिति निर्दिष्ट संदर्भ अवधि के दौरान व्यक्ति द्वारा की गई गतिविधियों के आधार पर निर्धारित की जाती है। जब गतिविधि स्थिति सर्वेक्षण की तिथि से पहले पिछले **365** दिनों की संदर्भ अवधि के आधार पर निर्धारित की जाती है**,** तो इसे व्यक्ति की सामान्य गतिविधि स्थिति के रूप में जाना जाता है।

(ड़) **प्रमुख गतिविधि स्थिति (पीएस) -** वह गतिविधि स्थिति जिस पर किसी व्यक्ति ने सर्वेक्षण की तिथि से पहले **365** दिनों के दौरान अपेक्षाकृत लंबा समय (प्रमुख समय मानदंड) बिताया**,** उसे व्यक्ति की सामान्य प्रमुख गतिविधि स्थिति माना जाता था।

(च) **सहायक आर्थिक गतिविधि स्थिति (एसएस)-** वह गतिविधि स्थिति जिसमें कोई व्यक्ति अपनी सामान्य मुख्य स्थिति के अतिरिक्त सर्वेक्षण की तिथि से पूर्व **365** दिनों की संदर्भ अवधि के लिए **30** दिन या उससे अधिक समय तक कोई आर्थिक गतिविधि करता है**,** उसे व्यक्ति की सहायक आर्थिक गतिविधि स्थिति माना जाता है।

(छ) **गतिविधि स्थिति- वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस):** सर्वेक्षण की तिथि से पूर्व के अंतिम **7** दिनों की संदर्भ अवधि के आधार पर निर्धारित गतिविधि स्थिति को व्यक्ति की वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) के रूप में जाना जाता है।

पीएलए फएस 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट मंत्रालय की वेबसाइट (https://mospi.gov.in) पर उपलब्ध है। मुख्य परिणाम संलग्न विवरण में दिए गए हैं।

पीएलएफएस के मुख्य निष्कर्ष, वार्षिक रिपोर्ट 2023- 2024

क. मुख्य श्रम बाज़ार संकेतकों की सामान्य स्थिति के अनुमान (पीएस+एसएस)

1. 15 वर्ष और इससे ऊपर आयु के व्यक्तियों की श्रमबल भागीदारी दर (एलएफपीआर) में वृद्धि के रुझान

ग्रामीण क्षेत्रों में एलएफपीआर 2017-18 में 50.7% से बढ़कर 2023-24 में 63.7% हो गई, जबकि इसी अवधि में शहरी क्षेत्रों में यह 47.6% से बढ़कर 2023-24 में 52.0% हो गई। भारत में पुरुषों के लिए एलएफपीआर 2017-18 में 75.8% से बढ़कर 78.8% हो गई जबकि महिलाओं के मामले में यह 23.3% से बढ़कर 41.7% हुई।

सारणी 1: 15 वर्ष और इससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए श्रमबल भागीदारी दर (एलएफपीआर) की साधारण स्थिति (पीएस+एसएस)

अखिल भारतीय

सर्वेक्षण अवधि	ग्रामीण			शहरी			ग्रामीण+शहरी		
	पुरुष	महिला	व्यक्त	पुरुष	महिला	व्यक्त	पुरुष	महिला	व्यक्त
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
2023-24	80.2	47.6	63.7	75.6	28.0	52.0	78.8	41.7	60.1
2022-23	80.2	41.5	60.8	74.5	25.4	50.4	78.5	37.0	57.9
2021-22	78.2	36.6	57.5	74.7	23.8	49.7	77.2	32.8	55.2
2020-21	78.1	36.5	57.4	74.6	23.2	49.1	77.0	32.5	54.9
2019-20	77.9	33.0	55.5	74.6	23.3	49.3	76.8	30.0	53.5
2018-19	76.4	26.4	51.5	73.7	20.4	47.5	75.5	24.5	50.2
2017-18	76.4	24.6	50.7	74.5	20.4	47.6	75.8	23.3	49.8

टिप्पणी: (पीएस+एसएस) मुख्य गतिविधि स्थिति और सहायक आर्थिक गतिविधि स्थिति दोनों को ध्यान में रखते हुए निर्धारित किया जाता है

2023-24 जुलाई 2023 - जून 2024 की अवधि को संदर्भित करता है और 2022-23, 2021-22, 2020-21, 2019-20, 2018-19 और 2017-18 हेतु भी यही संदर्भ लें

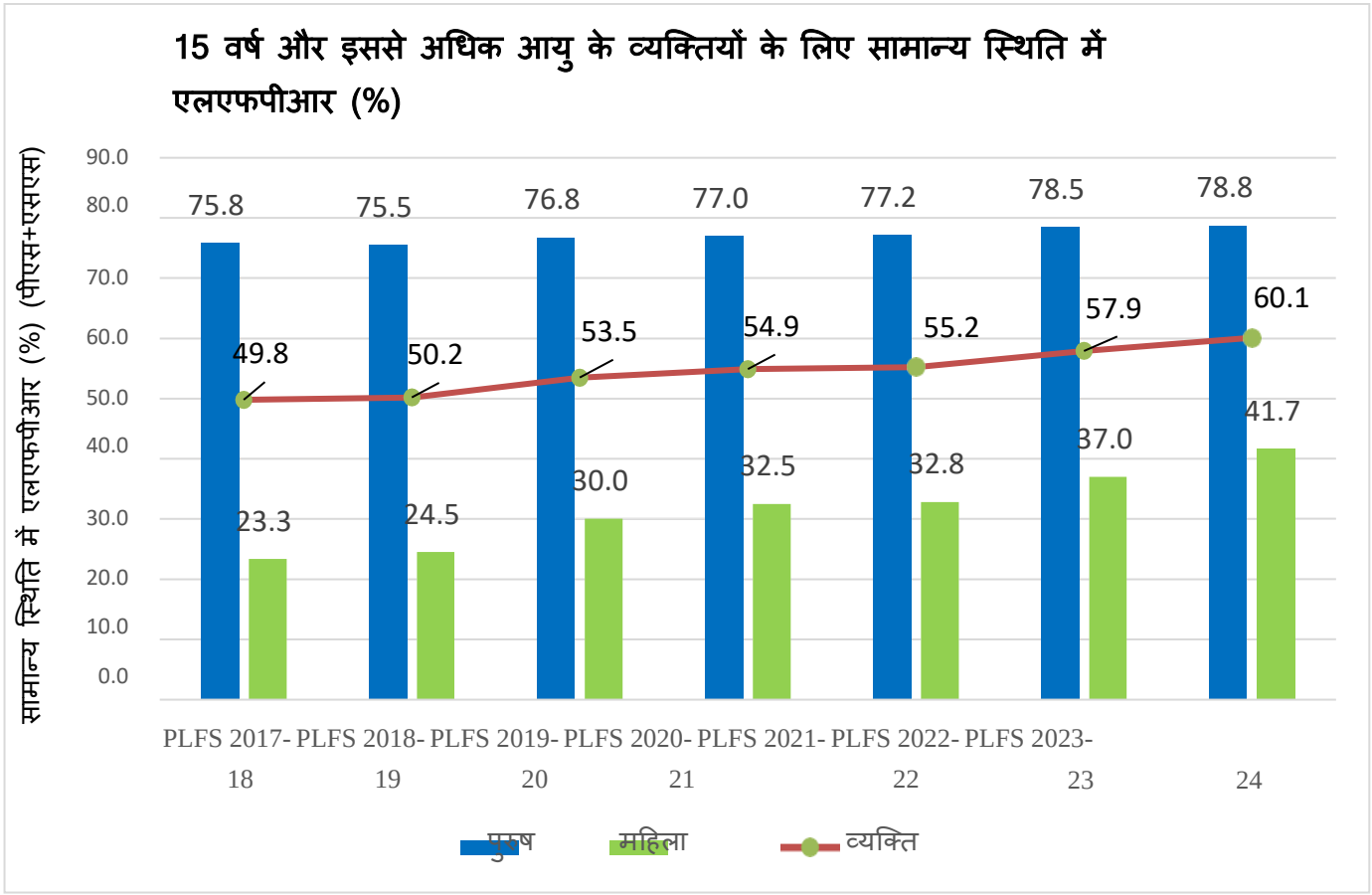

15 वर्ष और इससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए सामान्य स्थिति में एलएफपीआर (%)
सामान्य स्थिति में एलएफपीआर (%) (पीएस+एसएस)
90.0
80.0
70.0
60.0
50.0
40.0
30.0
20.0
10.0
0.0
75.8
75.5
76.8
77.0
77.2
78.5
78.8
49.8
50.2
53.5
54.9
55.2
57.9
60.1
23.3
24.5
30.0
32.5
32.8
37.0
41.7
PLFS 2017-18
PLFS 2018-19
PLFS 2019-20
PLFS 2020-21
PLFS 2021-22
PLFS 2022-23
PLFS 2023-24
पुरुष
महिला
व्यक्ति

2. 15 वर्ष और इससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) में बढ़ती प्रवृत्ति

ग्रामीण क्षेत्रों में डब्ल्यूपीआर 2017-18 में 48.1% से बढ़कर 2023-24 में 62.1% हो गया, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 43.9% से बढ़कर 49.4% हो गया। भारत में पुरुषों के लिए डब्ल्यूपीआर 2017-18 में 71.2% से बढ़कर 76.3% हो गया में जबकि महिलाओं के लिए इसी अवधि में यह 22.0% से बढ़कर 40.3% हुआ।

सारणी 2: 15 वर्ष और इससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए सामान्य स्थिति में श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) (पीएस+एसएस)

अखिल भारतीय

सूचक	ग्रामीण			शहरी			ग्रामीण+शहरी		
	पुरुष	महिला	व्यक्ति	पुरुष	महिला	व्यक्ति	पुरुष	महिला	व्यक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
2023-24	78.1	46.5	62.1	72.3	26.0	49.4	76.3	40.3	58.2
2022-23	78.0	40.7	59.4	71.0	23.5	47.7	76.0	35.9	56.0
2021-22	75.3	35.8	55.6	70.4	21.9	46.6	73.8	31.7	52.9
2020-21	75.1	35.8	55.5	70.0	21.2	45.8	73.5	31.4	52.6
2019-20	74.4	32.2	53.3	69.9	21.3	45.8	73.0	28.7	50.9
2018-19	72.2	25.5	48.9	68.6	18.4	43.9	71.0	23.3	47.3
2017-18	72.0	23.7	48.1	69.3	18.2	43.9	71.2	22.0	46.8

टिप्पणी: (पीएस+एसएस) मुख्य गतिविधि स्थिति और सहायक आर्थिक गतिविधि स्थिति दोनों को ध्यान में रखते हुए निर्धारित किया जाता है

2023-24 जुलाई 2023 – जून 2024 की अवधि को संदर्भित करता है, वैसे ही *2022-23, 2021-22, 2020-21, 2019-20, 2018-19 और 2017-18* हेतु भी यही संदर्भ लें

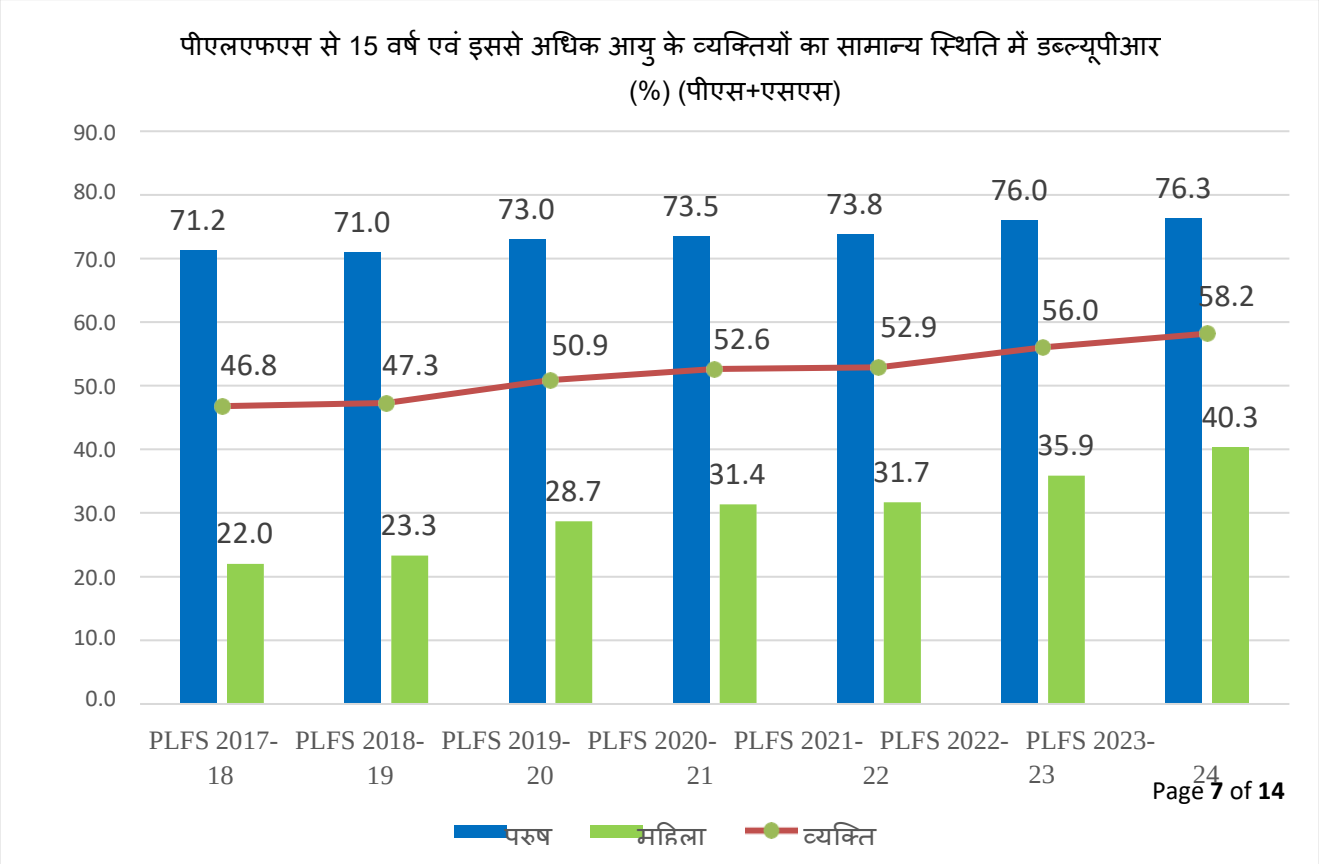

3. 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए बेरोजगारी दर (यूआर) घटती प्रवृत्ति

ग्रामीण क्षेत्रों में, वर्ष 2017-18 में यूआर 5.3% से घटकर वर्ष 2023-24 में 2.5% हो गया जबकि शहरी क्षेत्रों के लिए यह 7.7% से घटकर 5.1% हो गया। भारत में पुरुष के लिए यूआर वर्ष 2017-18 में 6.1% से घटकर वर्ष 2023-24 में 3.2% हो गया और तदनुसार महिलाओं के लिए यह 5.6% से घटकर 3.2% हो गया।

तालिका 3: 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए सामान्य स्थिति (पीएस + एसएस) में बेरोजगारी दर (यूआर)

अखिल भारत

संकेतक	ग्रामीण			शहरी			ग्रामीण+शहरी		
	पुरुष	महिला	व्यक्ति	पुरूष	महिला	व्यक्ति	पुरुष	महिला	व्यक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
2023-24	2.7	2.1	2.5	4.4	7.1	5.1	3.2	3.2	3.2
2022-23	2.7	1.8	2.4	4.7	7.5	5.4	3.3	2.9	3.2
2021-22	3.8	2.1	3.2	5.8	7.9	6.3	4.4	3.3	4.1
2020-21	3.8	2.1	3.3	6.1	8.6	6.7	4.5	3.5	4.2
2019-20	4.5	2.6	3.9	6.4	8.9	6.9	5.0	4.2	4.8
2018-19	5.5	3.5	5.0	7.0	9.8	7.6	6.0	5.1	5.8
2017-18	5.7	3.8	5.3	6.9	10.8	7.7	6.1	5.6	6.0

नोट: (पीएस+एसएस) प्रधान गतिविधि स्थिति और सहायक आर्थिक गतिविधि स्थिति दोनों को ध्यान में रखकर निर्धारित किया गया है।

वर्ष 2023-24 जुलाई 2023-जून 2024 की अवधि को संदर्भित करता है और वैसे ही वर्ष 2022-23, 2021-22, 2020-21, 2019-20, 2018-19 और 2017-18 हेतु संदर्भित है।

*पीएलएफएस द्वारा 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए सामान्य स्थिति (पीएस+एसएस) में यूआर (%)

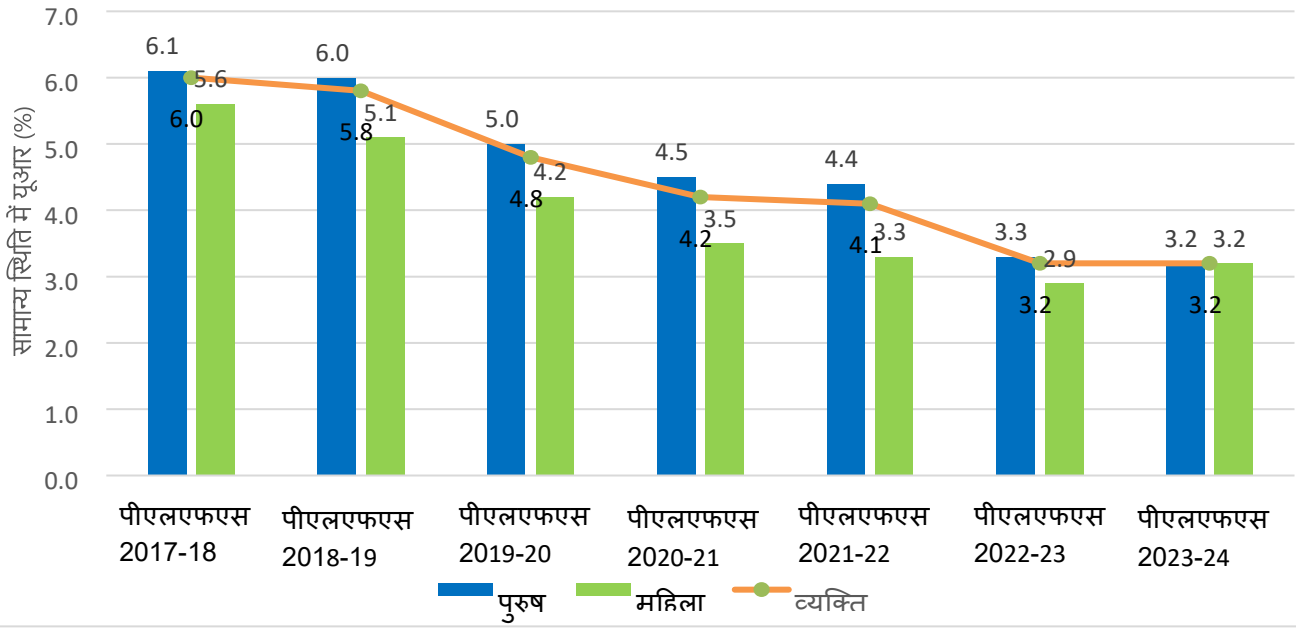

खः वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में मुख्य श्रम बाजार संकेतकों का अनुमान

4. 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर) में बढ़ती प्रवृत्ति

ग्रामीण क्षेत्रों में, वर्ष 2017-18 में एलएफपीआर 48.9% से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 58.9% हो गया जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 47.1% से बढ़कर 50.8% हो गया। भारत में पुरुष के लिए एलएफपीआर वर्ष 2017-18 में 75.1% से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 77.5% हो गया और तदनुसार महिला के लिए यह 21.1% से बढ़कर 35.6% हो गया।

तालिका 4: 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तितयों के लिए वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में श्रम बल भागीदारी दर (एलएफपीआर)

अखिल भारत

सर्वेक्षण अवधि	ग्रामीण			शहरी			ग्रामीण+शहरी		
	पुरुष	महिला	व्यक्ति	पुरुष	महिला	व्यक्ति	पुरुष	महिला	व्यक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
2023-24	78.7	39.7	58.9	75.0	26.1	50.8	77.5	35.6	56.4
2022-23	78.8	34.6	56.7	73.9	24.0	49.4	77.4	31.6	54.6
2021-22	76.7	29.2	53.0	74.2	22.1	48.6	75.9	27.2	51.7
2020-21	76.7	30.0	53.4	73.8	21.7	48.0	75.8	27.5	51.8

2019-20	76.7	28.3	52.5	73.8	22.1	48.2	75.8	26.3	51.2
2018-19	75.5	22.5	49.1	73.7	19.7	47.1	74.9	21.6	48.5
2017-18	75.6	21.7	48.9	74.1	19.6	47.1	75.1	21.1	48.4

नोट: सीडब्ल्यूएस: गतिविधि अवधि के सर्वेक्षण की तिथि से पहले विगत 7 दिनों की अवधि के संदर्भ के आधार पर निर्धारण किया गया है।
वर्ष 2023-24 जुलाई 2023-जून 2024 की अवधि को संदर्भित करता है और वैसे ही वर्ष 2022-23, 2021-22, 2020-21, 2019-20, 2018-19 और 2017-18 हेतुसंदर्भित है।

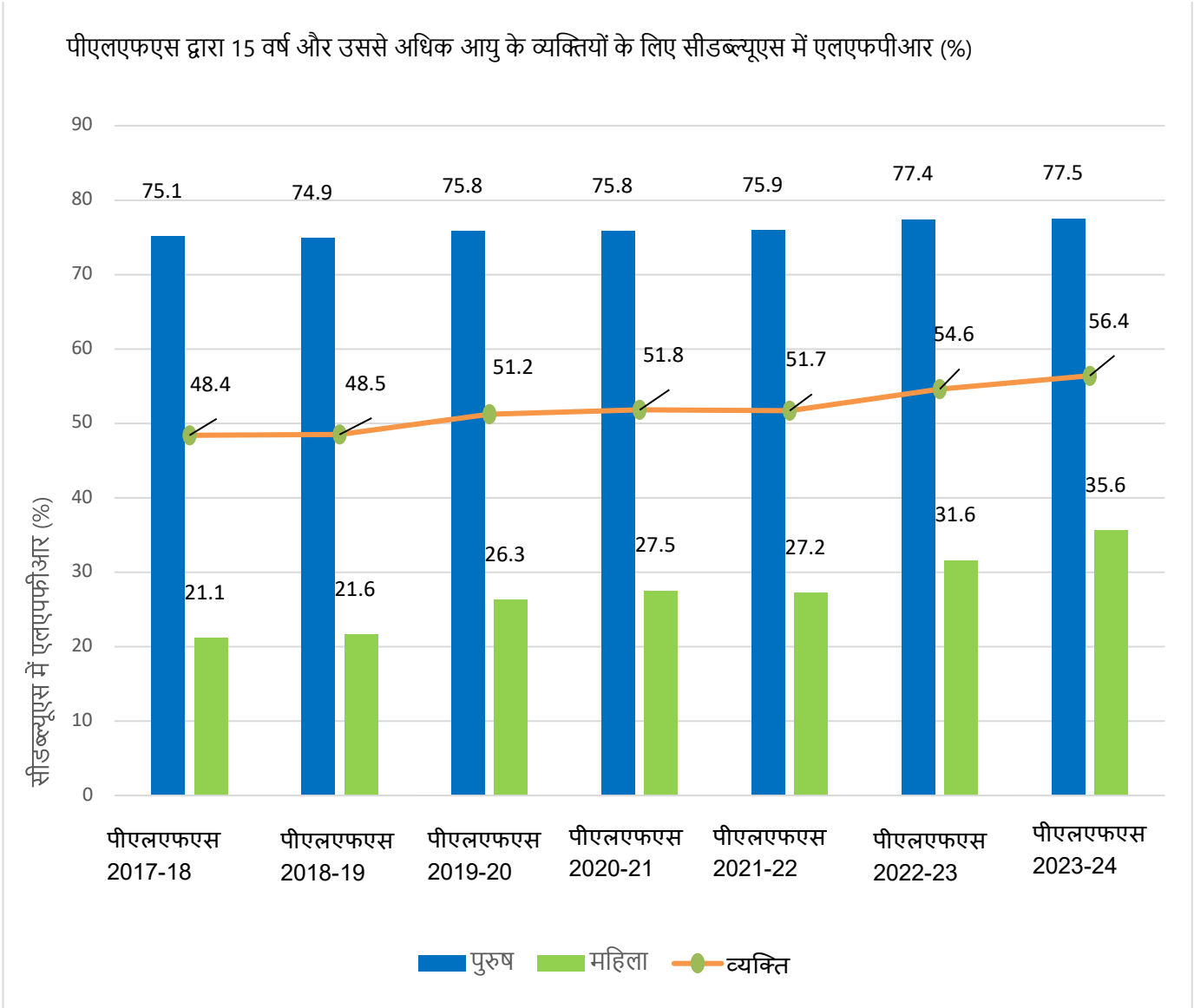

5. 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए श्रमिक जनसंख्या अनुपात (ड्ब्ल्यूपीआर) में वृद्धि की प्रवृत्ति

ग्रामीण क्षेत्रों में, ड्ब्ल्यूपीआर वर्ष 2017-18 में 44.8% से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 56.5% हो गया, जबकि शहरी क्षेत्रों के लिए यह 42.6% से बढ़कर 47.4% हो गया। भारत में पुरुषों के लिए ड्ब्ल्यूपीआर वर्ष 2017-18 में 68.6% से बढ़कर वर्ष 2023-24 में 73.8% हो गया और महिलाओं के लिए इसी प्रकार की वृद्धि 19.2% से बढ़कर 33.8% हो गई।

तालिका 5: पूरे भारत में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीड्ब्ल्यूएस) में श्रमिक जनसंख्या अनुपात (ड्ब्ल्यूपीआर)

संकेतक	ग्रामीण			शहरी			ग्रामीण + शहरी		
	पुरूष	महिला	व्यक्ति	पुरूष	महिला	व्यक्ति	पुरूष	महिला	व्यक्ति
(1)	**(2)**	**(3)**	**(4)**	**(5)**	**(6)**	**(7)**	**(8)**	**(9)**	**(10)**
2023-24	75.3	38.1	56.5	70.5	23.9	47.4	73.8	33.8	53.7
2022-23	75.2	33.2	54.2	69.3	21.8	46.0	73.5	30.0	51.8
2021-22	71.7	27.9	49.9	68.4	19.9	44.6	70.7	25.6	48.3
2020-21	71.2	28.6	50.0	66.8	19.0	43.1	69.9	25.7	47.9
2019-20	70.1	26.7	48.4	66.0	19.4	43.0	68.8	24.4	46.7
2018-19	69.0	20.9	45.0	67.2	17.4	42.7	68.4	19.8	44.3
2017-18	69.1	20.1	44.8	67.7	17.1	42.6	68.6	19.2	44.1

नोट: सीडब्ल्यूएस: सर्वेक्षण वर्ष 2023-24 की तिथि से पहले के अंतिम 7 दिनों की संदर्भ अवधि के आधार पर निर्धारित गतिविधि की स्थिति जुलाई 2023 - जून 2024 की अवधि को संदर्भित करती है और इसी तरह वर्ष 2022-23, वर्ष 2021-22, वर्ष 2020-21, वर्ष 2019-20, वर्ष 2018- 2017-18 के लिए भी संदर्भित है।

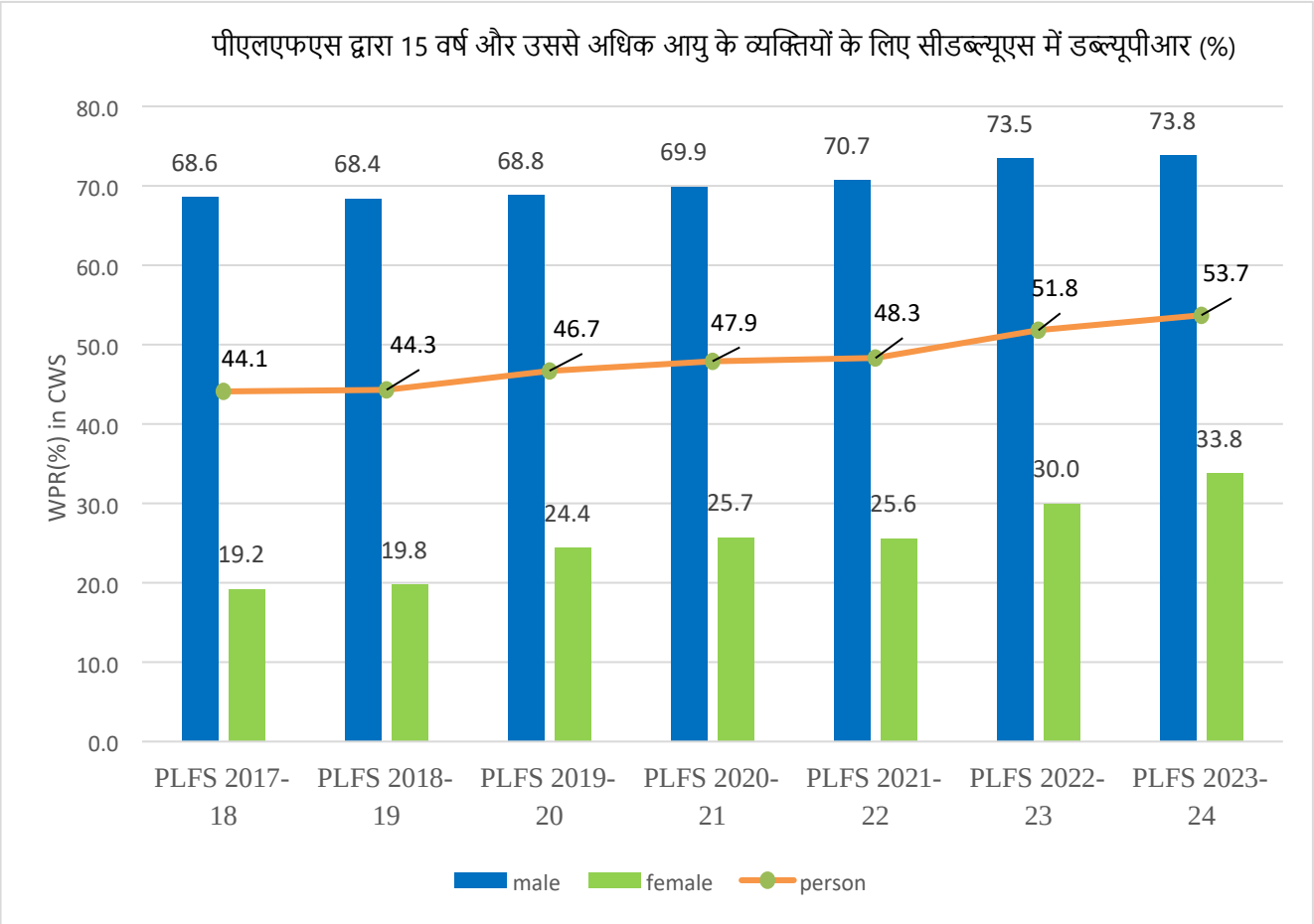
पीएलएफएस द्वारा 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए सीडब्ल्यूएस में डब्ल्यूपीआर (%)
WPR(%) in CWS
80.0
70.0
60.0
50.0
40.0
30.0
20.0
10.0
0.0
68.6
68.4
68.8
69.9
70.7
73.5
73.8
44.1
44.3
46.7
47.9
48.3
51.8
53.7
19.2
19.8
24.4
25.7
25.6
30.0
33.8
PLFS 2017-18
PLFS 2018-19
PLFS 2019-20
PLFS 2020-21
PLFS 2021-22
PLFS 2022-23
PLFS 2023-24
male
female
person

6. 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए बेरोजगारी दर (यूआर) में कमी का रुझान

ग्रामीण क्षेत्रों में, यूआर वर्ष 2017-18 में 8.4% से घटकर वर्ष 2023-24 में 4.2% हो गया, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 9.5% से घटकर 6.7% हो गया। भारत में पुरुषों के लिए यूआर वर्ष 2017-18 में 8.7% से घटकर वर्ष 2023-24 में 4.8% हो गया और महिलाओं के लिए इसी प्रकार की कमी 9.0% से घटकर 5.0% हो गई।

तालिका 6: 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में बेरोजगारी दर (यूआर)

संकेतक	ग्रामीण			शहरी			ग्रामीण + शहरी		
	पुरूष	महिला	व्यक्ति	पुरूष	महिला	व्यक्ति	पुरूष	महिला	व्यक्ति
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
2023-24	4.4	3.9	4.2	6.0	8.7	6.7	4.8	5.0	4.9
2022-23	4.6	4.0	4.4	6.3	9.1	7.0	5.1	5.1	5.1
2021-22	6.5	4.5	6.0	7.8	9.9	8.3	6.9	5.8	6.6
2020-21	7.1	4.8	6.5	9.4	12.2	10.1	7.8	6.6	7.5
2019-20	8.7	5.5	7.8	10.5	12.4	11.0	9.3	7.3	8.8
2018-19	8.6	7.3	8.3	8.8	12.1	9.5	8.7	8.7	8.7
2017-18	8.7	7.5	8.4	8.7	12.7	9.5	8.7	9.0	8.7

नोट: सीडब्ल्यूएस: सर्वेक्षण वर्ष 2023-24 की तिथि से पहले के अंतिम 7 दिनों की संदर्भ अवधि के आधार पर निर्धारित गतिविधि की स्थिति जुलाई 2023 - जून 2024 की अवधि को संदर्भित करती है और इसी तरह वर्ष 2022-23, वर्ष 2021-22, वर्ष 2020-21, वर्ष 2019-20, वर्ष 2018- 2017-18 के लिए भी संदर्भित है।

नोट: विस्तृत परिणाम मंत्रालय के वेबसाइट (www.mospi.gov.in) पर उपलब्ध है ।

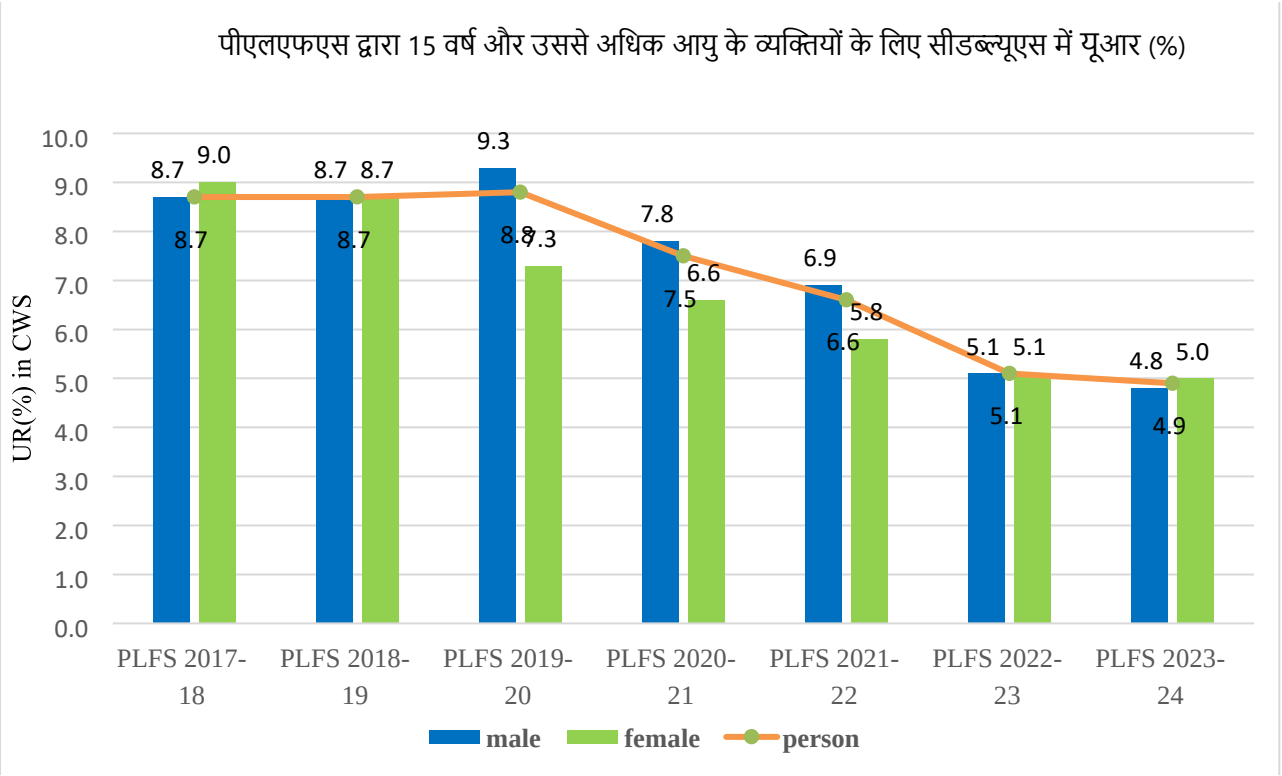
पीएलएफएस द्वारा 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए सीडब्ल्यूएस में यूआर (%)
UR(%) in CWS
10.0
9.0
8.0
7.0
6.0
5.0
4.0
3.0
2.0
1.0
0.0
8.7
9.0
8.7
8.7
8.7
8.7
9.3
8.8
7.3
7.8
7.5
6.6
6.9
6.6
5.8
5.1
5.1
5.1
4.8
4.9
5.0
PLFS 2017-18
PLFS 2018-19
PLFS 2019-20
PLFS 2020-21
PLFS 2021-22
PLFS 2022-23
PLFS 2023-24
male
female
person

****